संख्या:37/1561/ 35-4-2014

प्रेषक ,

अबरार अहमद,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

प्रमुख अभियन्ता (विकास) एवं विभागाध्यक्ष ,
लोक निर्माण विभाग,
उ0 प्र0 लखनऊ।

नियोजन अनुभाग-4 लखनऊ:दिनांक 24 दिसम्बर,2014

विषय: वर्ष 2014-15 में त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत धनराशि की स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद मैनपुरी में शासनादेश संख्या: 479(1)/35-4-2013 दिनांक 28 मार्च,2013 के साथ पठित शासनादेश संख्या: 1397/35-4-2013 दिनांक 09 अक्टूबर,2013 द्वारा सड़क निर्माण से संबंधित 03 कार्यों की रू. 4584.75 लाख की लागत पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त के रूप में रू. 2533.78 लाख की धनराशि अवमुक्त की गयी। तदोपरान्त शासनादेश संख्या: 558/35-4-2014 दिनांक 24 मार्च,2014 के द्वारा द्वितीय किश्त के रूप में रू. 1159.91 लाख की धनराशि अवमुक्त की गई। मुख्य अभियंता,(मु0-1) लो0नि0वि0 के पत्र संख्या: 6638 बी.जी./7 बी.-3 त्व0आ0वि0यो0/2014-15 दिनांक 11 नवम्बर,2014 द्वारा उक्त कार्यों में एक कार्य यथा: **शीतला माता मंदिर से घण्टाघर चौराहे तक मार्ग का चौड़ीकरण/सुदृढ़ीकरण एवं सौन्दर्यीकरण** के कार्य हेतु तृतीय किश्त के रूप में रू.207.09 लाख (रूपये दो करोड़ सात लाख नौ हजार मात्र) को निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निवर्तन पर रखे जाने की, श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1- सन्दर्भित शासनदेश दिनांक 28 मार्च,2013 एवं 09 अक्टूबर,2013 तथा 24 मार्च,2014 की शर्तें यथावत लागू रहेंगी।

2- प्रश्नगत कार्य हेतु अवमुक्त की जा रही अवशेष धनराशि आहरित कर बैंक / डाकघर/ पी0एल0ए0 में नहीं रखी जायेगी। प्रश्नगत धनराशि आहरित कर डिपाजिट कार्यों के रूप में कार्यदायी विभाग-द्वारा रेमिटेन्स लेखाशीर्ष '' 8782'' के अन्तर्गत-सुसंगत लेखाशीर्षक में जमा कर, वित्त (लेखा) अनुभाग-2 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-ए-2-47/दस-97-10(9)/95, दिनांक 3 मार्च, 1997 में दिये गये निर्देशों के अनुसार डिपाजिट क्रेडिट लिमिट (डी0सी0एल0) निर्गत करके व्यय की जायेगी।

3- इस शासनादेश से प्रश्नगत कार्य के लिए अनुमोदित लागत के सापेक्ष 95 प्रतिशत की सीमा तक धनराशि का आवंटन हो जाता है। कार्यों को मानकों के अनुरूप पूर्ण गुणवत्ता के साथ स्वीकृत लागत में ही पूर्ण किया जायेगा और लागत वृद्धि अनुमन्य नहीं होगी।

4- निर्माण कार्य सम्पन्न कराये जाने के बाद यदि कोई धनराशि शेष बचती है तो उसे राजकोष में संसुगत लेखाशीर्ष में जमा कराया जायेगा।

5- स्वीकृत धनराशि का उपयोग प्रत्येक दशा में 31 मार्च, 2015 तक पूर्णरूपेण कर लिया जायेगा और यदि कोई धनराशि अप्रयुक्त बचती है तो उसे 31 मार्च, 2015 से पूर्व समर्पित किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि का पूरा लेखा-जोखा 31 मार्च, 2015 तक प्रमुख सचिव नियोजन अनुभाग-4 को प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

http://shasanadesh.up.nic.in

6- राजकोष से आहरित धनराशि का त्रैमासिक आधार पर मिलान महालेखाकार उ0प्र0 में अनुरक्षित लेखों से अनिवार्यत: कराया जायेगा तथा वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पश्चात 3 माह में अर्थात 30 जून,2015 तक स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष हुए व्यय का महालेखाकार द्वारा सत्यापित विवरण नियोजन विभाग को प्रेषित किया जायेगा ।

7- कार्य पूर्ण होने पर कार्यदायी संस्था द्वारा सम्परीक्षित लेखे अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराये जायेंगे।

2- उपर्युक्त मद पर होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय व्ययक में अनुदान संख्या- 40 -आयोजनागत-लेखाशीर्षक- 5054-सड़कों तथा सेतुओं पर पूंजीगत परिव्यय- 04-जिला तथा अन्य सड़कें-337 -सड़क निर्माण कार्य - 03-त्वरित आर्थिक विकास योजना- 03-ग्रामीण क्षेत्रों में अधूरी सड़कों के लिए एकमुश्त व्यवस्था-24 -वृहद निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा ।

3- यह आदेश वित्त विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्या- बी-1-2457/ दस- 2014-231/2014 दिनांक 22 जुलाई,2014 में प्रतिनिधानित अधिकारों के अनुक्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अबरार अहमद)
विशेष सचिव

संख्या:37/1561(1)/ 35-4-2014 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1- प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
2- महालेखाकार, लेखापरीक्षा, प्रथम एवं द्वितीय, इलाहाबाद।
3- प्रमुख सचिव / सचिव, लोक निर्माण।
4- प्रमुख सचिव, वित्त।
5- निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री जी ।
6- मण्डलायुक्त, आगरा।
7- जिलाधिकारी, मैनपुरी।
8- मुख्य विकास अधिकारी, मैनपुरी।
9- कोषाधिकारी, मैनपुरी।
10-गार्ड फाईल।
11-वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग- 5
12-राज्य योजना आयोग-1
13-जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, मैनपुरी।

आज्ञा से,

(अबरार अहमद)
विशेष सचिव

http://shasanadesh.up.nic.in